पीएम गति शक्ति से प्रदेश में परियोजनाओं की बढ़ाएंगे रफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का उपयोग मजबूत किया जा रहा है। इसका लक्ष्य बुनियादी ढांचा व सामाजिक परियोजनाओं की योजना और कार्यान्वयन को प्रभावी बनाना है। यह परियोजनाओं की जरूरतों और कमियों की समय रहते पहचान में मदद करेगा।

यह विभागों के बीच बेहतर समन्वय और परियोजनाओं का काम समय से पूरा करने में मदद करेगा। सोमवार को लखनऊ के इन्वेस्ट यूपी कार्यालय में एक बैठक हुई। इसमें पीएम गति शक्ति के प्रभावी कार्यान्वयन पर चर्चा की गई। पीडब्ल्यूडी, ऊर्जा, यूपीडा सहित कई विभागों के 100 से अधिक अधिकारियों ने भाग लिया। अधिकारियों ने परियोजना की जरूरत और संभावित कमियों पर बात की। उन्होंने विभागीय समन्वय और संसाधनों के बेहतर उपयोग पर भी चर्चा की। इसका उद्देश्य परियोजना क्रियान्वयन में देरी कम करना है। ब्यूरो

पीएम गति शक्ति का विस्तार : उत्तर प्रदेश ने पीएम गति शक्ति मंच पर 29 अनिवार्य डेटा लेयर्स को एकीकृत किया है। 56 अतिरिक्त विभागीय लेयर्स भी शुरू या एकीकृत की हैं। 2150 करोड़ रुपये से अधिक की 32 से ज्यादा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का कार्यान्वयन हुआ है। यह पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना के तहत किया गया है।

प्रभावी कार्यान्वयन : इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय किरण आनंद ने पीएम गति शक्ति के लाभ बताए। उन्होंने कहा कि यह परियोजनाओं की कमियों की पहचान में सहायक है। राज्य सरकार ने इसके पोर्टल के उपयोग को अनिवार्य करने का शासनादेश जारी किया है। सभी 75 जिलों में जिला स्तरीय नियोजन व्यवस्था लागू की गई है। 2000 से अधिक अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है और 26 से अधिक एप्लीकेशन विकसित हुए हैं।